विश्व की नदियाँ

❖ नील नदी–6695 किमी :

- नील नदी का निर्माण विक्टोरिया झील से निकलने वाली स्वेत नील व इथोपिया की टाना झील से निकलने वाली ब्लू नील के **खार्तूम** में मिलने से होता है।
- यह विश्व की लम्बी नदी है और इसका प0वाह क्षेत्र **उत्तरी–दक्षिणी सुडान, युगांडा, इथोपिया व मिश्र** में है।
- यह नदी मिश्र का वरदान कहलाती है।
- मिश्र में नील नदी घाटी में खेती करने वाले किसान **फैल्लाह** कहताले है।

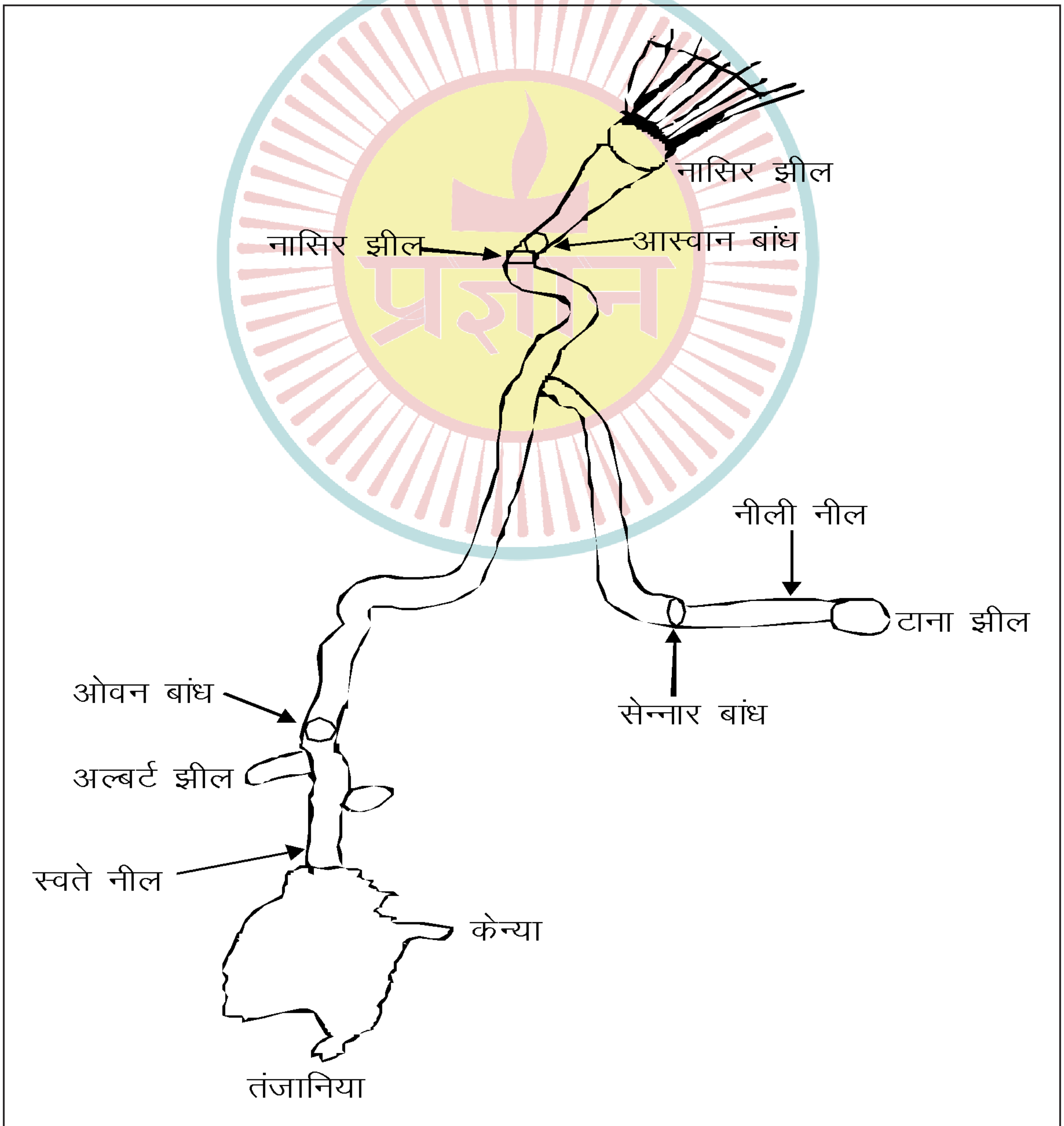

❖ बांध :

1. ओवन बांध – युगांडा।
2. ग्रैण्ड इथोपियन रेनेसा बांध।
3. नोजियर बांध – सूडान।
4. अस्वान बांध (नासिर झील) – मिश्र।

- नील नदी त्रिभुजाकार डेल्टा बनाती है जो 240 किमी चोडा है। यह भूमध्य–सागर में गिरती है जहाँ भूमध्यसागरीय जलवायु पाई जाती है, जबकि इसके उद्गम क्षेत्र में भूमध्य रेखीय जलवायु।
- सूडान में इसकी घाटी में गोंद के वृक्ष मिलते है।

❖ कांगो/जायरे–470 किमी :

- कांगो नदी का उद्गम कंटगा के पठार से निकलने वाली लूआपूला व लुआलाबा नदी के मिलने से होता है।
- यह अफ्रीका की दूसरी सबसे लम्बी नदी है यह अंगोला व कांगो गणराज्य में बहती है और मताड़ी बन्दरगाह के निकट अटलांटिक महासागर में गिर जाती है।
- इसकी प्रमुख सहायक कसाई नदी है जिसका बेसिन हीरा उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। अन्य सहायक उबांगी यह विषुवत रेखा को दो बार काटती है।
- विश्व में सर्वाधिक विधुत क्षमता इस नदी में पायी जाती है। और अमेजन के बाद सर्वाधिक अपवाह क्षेत्र इसी नदी का है। इस नदी पर ग्रेट इंगा परियोजना क्रियान्वित की जा रही है, यह विश्व की बड़ी जल विद्युत परियोजना होगी।

• जल प्रपात :

1. स्टेनली/बोयोमा।
2. लिविंग स्टोन।

• राजधानी :

1. किन्शासा (कांगो गणराज्य)।
2. ब्राज विले (कांगो)।
3. बोमा शहर।

- इसके बेसिन में भूमध्य सागरीय वन पाये जाते है जिसमें 'पिग्मी' व 'निग्रो' जनजाती निवास करती है।

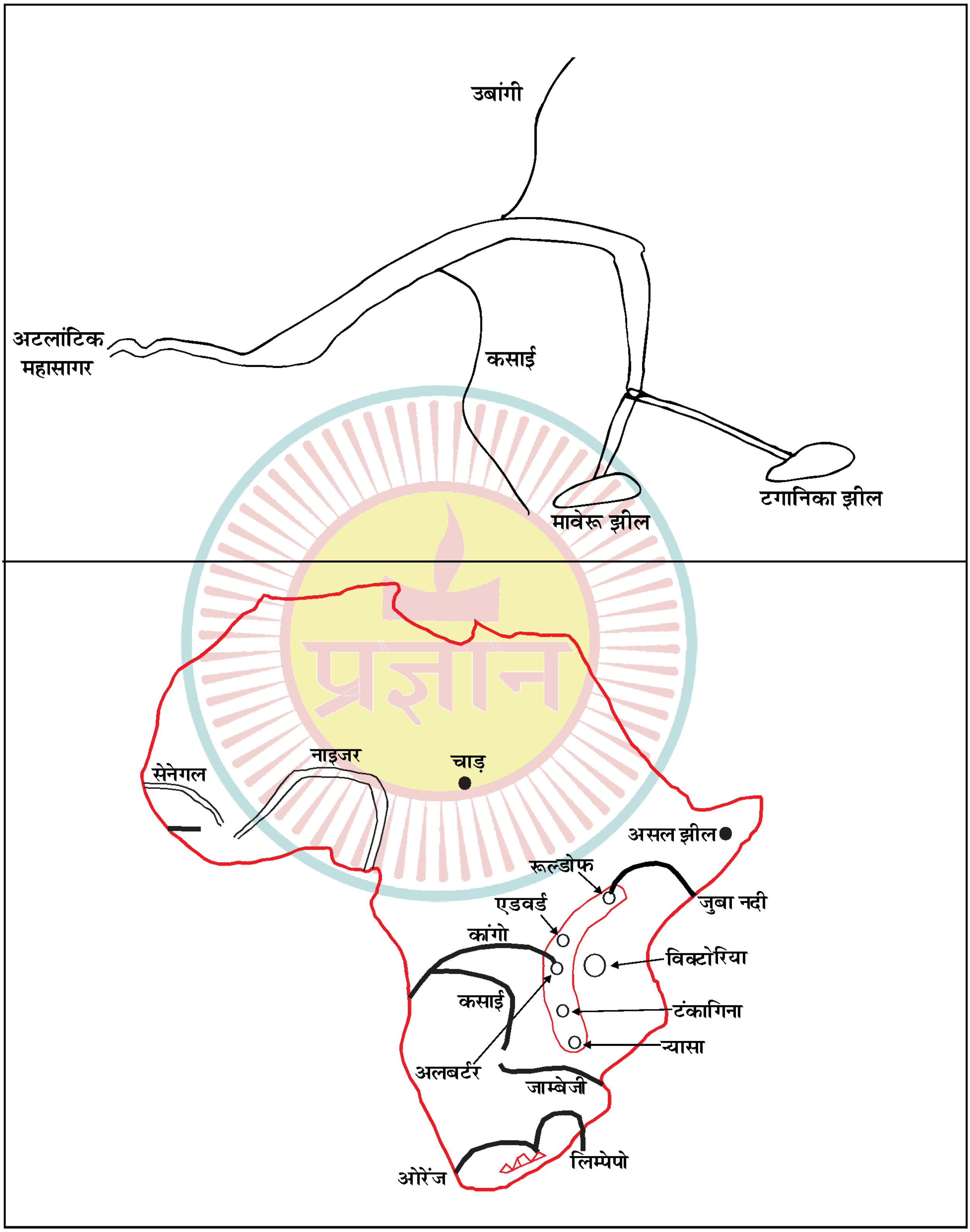

❖ जांबेजी :

- **उद्गम**– कंटगा उच्च भूमि से निकलकर मोजाम्बिक चैनल में गिरती है।
- यह जाम्बिया–नामीविया और जाम्बिया जिम्बाबे के मध्य की सीमा बनाती है।
- विक्टोरिया जल प्रपात (विश्व का सबसे चौड़ा) इसी नदी पर स्थित है। जिससे करीबा झील का निर्माण होता है।
- **बांध :** 1. करीबा बांध 2. काहोरा बांसा बांध (मोजाबिक चेनल)

❖ नाइजर नदी :

- इस नदी की कुल लम्बाई 4185 किमी है।
- खनिज व खाद्य तेल परिवहन के कारण तेल नदी कहलाती है।
- **उद्गम**–फूटा जालोन के पठार के ऊपर स्थित लोमा पर्वत से निकलकर गिनी की खाड़ी में गिर जाती है।

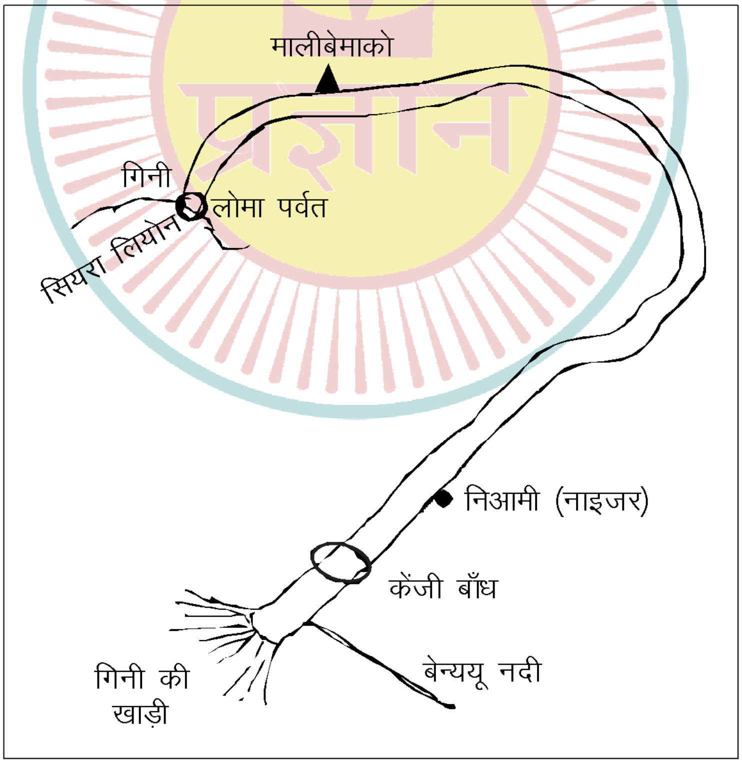

- नील व कांगो के बाद तीसरी प्रमुख नदी तट पर राजधानी– बैमाको (माली), निआमी (नाइजर)
- इसके मुहाने पर 'हारकोर्ट' बन्दरगाह अवस्थित है जो तेल निर्यात के लिए प्रसिद्ध है।
- बैनिन व नाइजीरिया की सीमा पर बहती है।
- नदी पर माली का प्रमुख शहर टिम्बकटु भी स्थित है। तथा इस पर कंजी बांध का निर्माण किया गया है।

❖ लिम्पोपो नदी :

- **उद्गम**– इस नदी का उद्गम धापा पठार (दक्षिण अफ्रीका) से निकलने वाली मरिको और क्रोकोडाइल नदियों के संगम से होता है।
- इसे घड़ियाल नदी भी कहते है।
- यह मकर रेखा को दो बार काटती है।
- इसका **मुहाना** गाजा क्षेत्र (मापूतो की खाड़ी) (मोजाम्बिक चैनल) है।
- यह दक्षिण अफ्रीका–बोत्सवाना व जिम्बाम्बे दक्षिण अफ्रीका के मध्य सीमा बनाती है।

❖ जुब्बा (जुबा) व शैबेली नदी :

- यह इथोपिया की उच्च भूमि से निकलती है और हिन्द महासागर में गिर जाती है। शैबेली के तट पर सोमालिया की राजधानी मोगादिशु स्थित है।

❖ वोल्टा नदी :

- इस नदी का उद्गम ब्लैक वोल्टा और व्हाईट वोल्टा के मिलन से होता है। यह घाना की मुख्य नदी है। इस नदी पर अकासोबो बांध (वोल्टा झील) स्थित है जो अफ्रीका का सबसे बड़ा कृत्रिम जलाशय है, जो विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। नदी का बेसिन कोको की कृषि के लिए प्रसिद्ध है। यह अन्त में गिनी की खाड़ी में गिर जाती है।

❖ ऑरेन्ज नदी :

- **उद्गम** – ड्रैकेंसबर्ग पर्वत
- **मुहाना** – अटलांटिक महासागर (अलैकन्जेण्डर की खाड़ी)। यह नदी अफ्रीका व नामीबिया की सीमा बनाती है।
- **सहायक** – वाल नदी
- यह नामीबिया व कालाहारी मरूस्थल से बहती है।
- जलप्रपात – ऑगरेबीज जल प्रपात (दक्षिण अफ्रीका)
- बांध – गैरिप बांध

❖ अमेजन :

- **लम्बाई** – 6840 किमी
- **उद्गम** – एंडिज पर्वत (पेरू)
- यह अपवाह क्षेत्र व जल ग्रहण की दृष्टि से विश्व की सबसे लम्बी नदी, जबकी लम्बाई में नील के दुसरा स्थान है।
- **प्रवाह क्षेत्र** – पेरू, बोलविया, ब्राजील, इक्वेडोर, कोलम्बिया व वेनेजुएला।
- इस नदी का मुहाना अटलांटिक सागर में बेलेम नगर के पास है।
- इसका बेसिन जैव विविधता की दृष्टि से सम्पन्न है, जहाँ विषुवत रेखीय वन मिलते है जिन्हे 'सेलवास' कहते है। यहा मिलने वाले घास के मैदानों को केम्पास, मैराडोस, कैटिगस कहते है। निग्रो और अमेजन के संगम पर मानोस शहर स्थित है (रबड़)। बनानाल द्वीप – सबसे बड़ा नदी द्वीप (अरग्वाइया नदी)। 'मंडिरा' सबसे बड़ी सहायक नदी है।

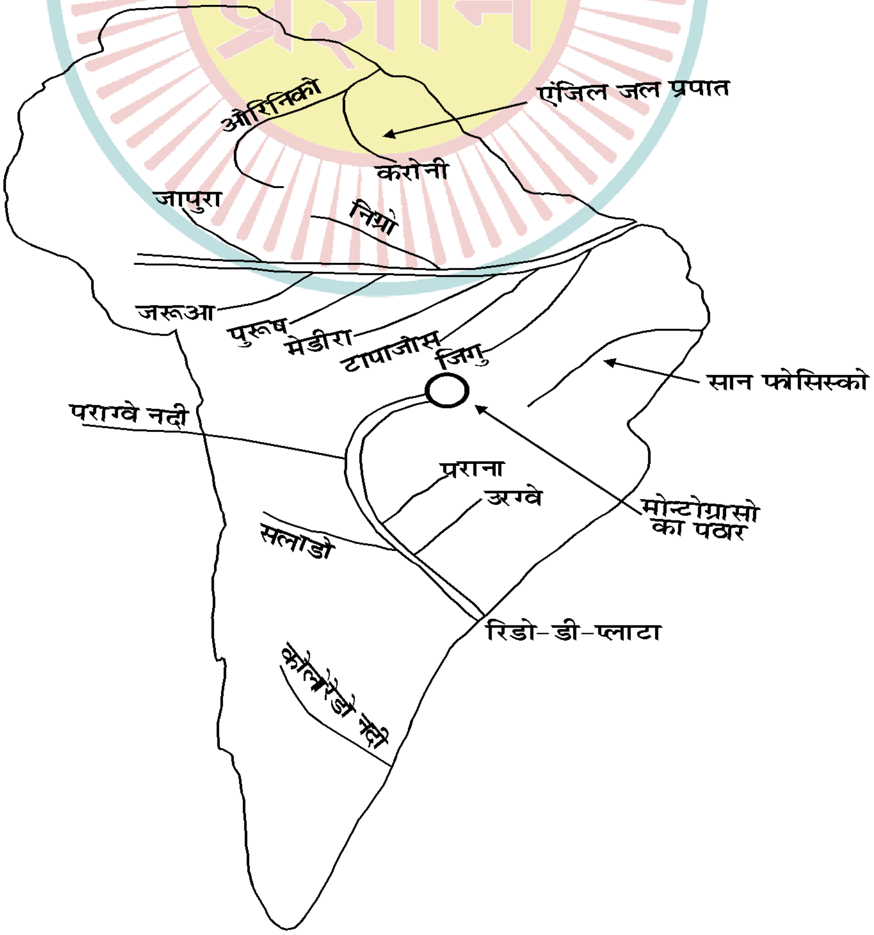

❖ पराना/पराग्वे नदी :

- **उद्गम** – मैन्टो ग्रासो पठार (ब्राजील उच्च भूमि)
- पराना नदी ब्राजील व पराग्वे के मध्य सीमा बनाती है।
- **मुहाना** – रिडो–डी–प्लाटा (अटलांटिक महासागर) (ज्वार नदमुख)
- इस महाद्वीप की दूसरी बड़ी नदी।
- पराना नदी बेसिन में ग्रान–चाको के मैदान स्थित है।
- **शहर** – रोजारियो स्थित है।
- **परियोजना** – 'इतुपु बांध' (14000 MW) (ब्राजीन में) यह ब्राजील और पराग्वे की संयुक्त परियोजना है।
- **सहायक** – उरुग्वे, पराग्वे व सलाडो।
- विश्व का सबसे बड़ा जलप्रपात इगुआजो (आयतन में) इसी नदी पर स्थित है।

❖ ओरिनिको :

- एण्डीज पर स्थित गुयाना के पठार से निकलकर अटलांटिक महासागर में गिर जाती है।
- प्रवाह क्षेत्र – कोलम्बिया व वेनेजुएला।
- यह वेनेजुएला की प्रमुख नदी है, इसके बेसिन में तेल के भण्डार व उष्ण कटिबंधीय लानौस घास के मैदान स्थित है।
- इसकी सहायक कैरोनी नदी है, जिस पर गुरी बांध व एंजिल जल प्रपात (979 मी.) स्थित है।

❖ साओ फ्रांसिस्को :

- ब्राजील के पठार से निकलकर अटलांटिक महासागर में गिरती है।
- यह ब्राजील के सबसे लम्बी नदी है। इसे राष्ट्रीय एकता की नदी भी कहते है।

❖ कोलोरेड़ो :

- एंडीज से निकलकर बाहिया ब्लांका की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) में गिर जाती है।
- यह अर्जेन्टिना की प्रमुख नदी है। नदी के प्रवाह क्षेत्र में पम्पाज घास के मैदान है और यह पेंटागोनिया के मरूस्थल में बहती है।

❖ नेग्रो नदी :

- यह एण्डीज पर्वत से निकलकर सैन मैटिआस की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) में गिरती है।

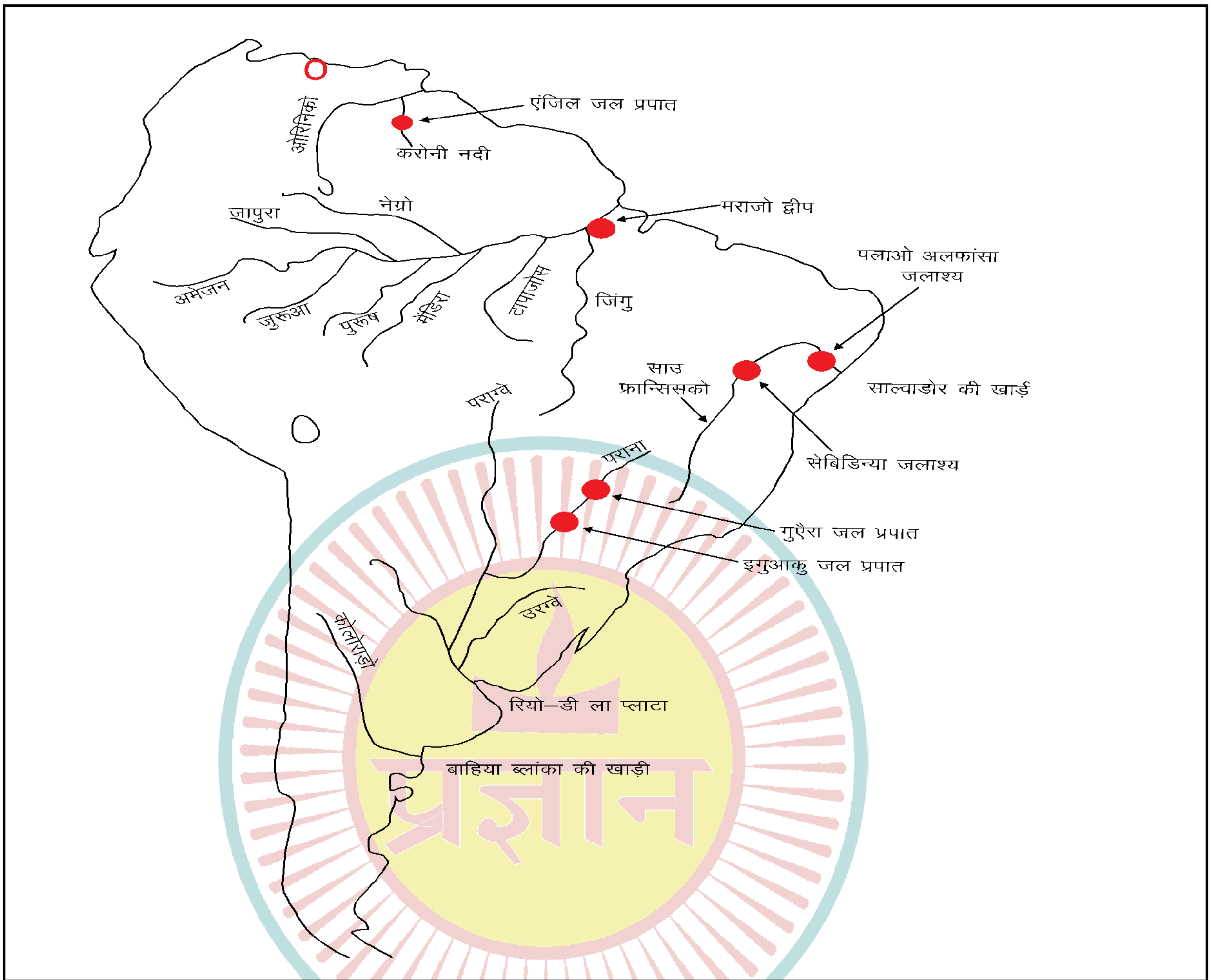

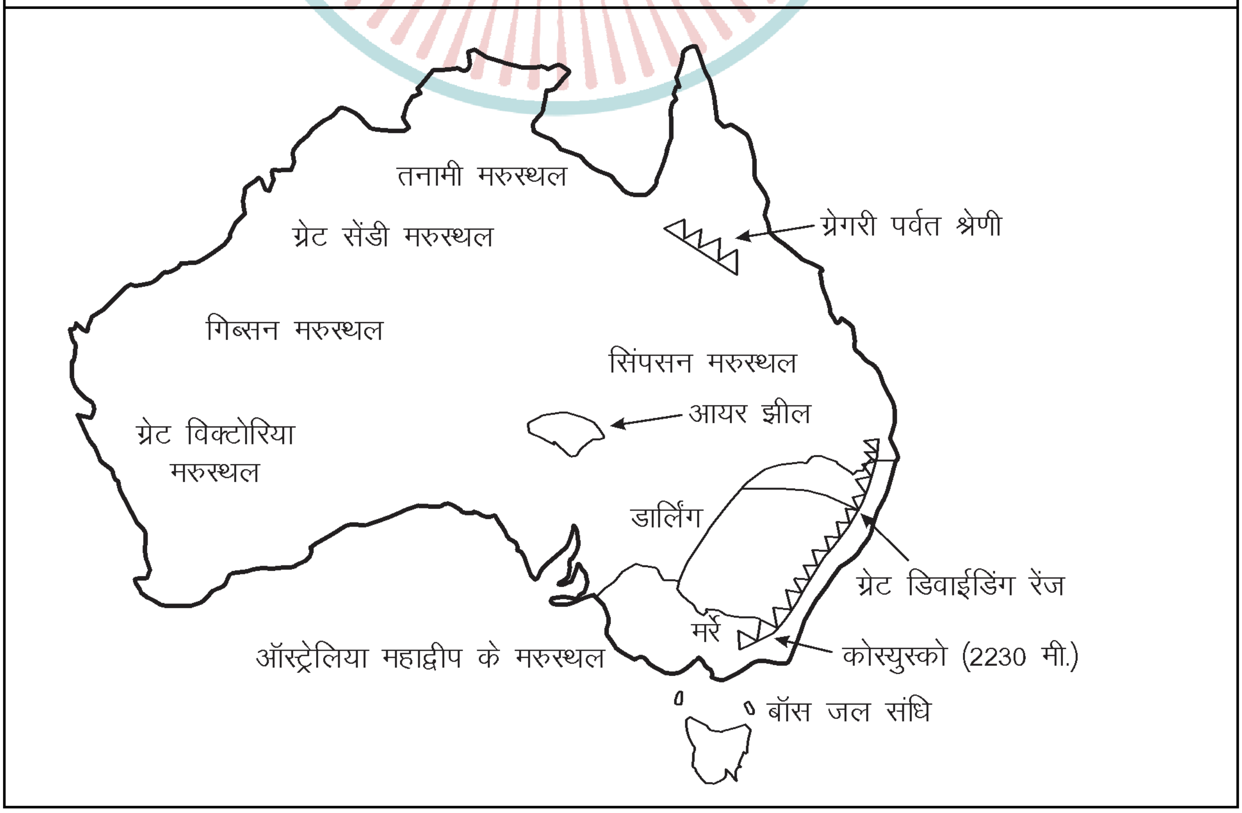

❖ मर्रे-डार्लिंग नदी (ऑस्ट्रेलिया) :

- मर्रे नदी का उद्‌गम जहाँ कोसिस्को के पठार से होता है, वहीं डार्लिंग नदी का उद्‌गम ग्रेट डिवाईडिंग रेंज से होता है। मर्रे नदी विक्टोरिया व न्यू साउथवेल्स के मध्य सीमा बनाती है और अन्त में प्रशान्त महासागर की एन्काउन्टर की खाड़ी में गिर जाती है।
- मर्रे आस्ट्रेलिया की सबसे लम्बी नदी (2508 किमी) है।
- शहर – एडीलैड (मर्रे के किनारे), सिडनी (डार्लिंग के किनारे)

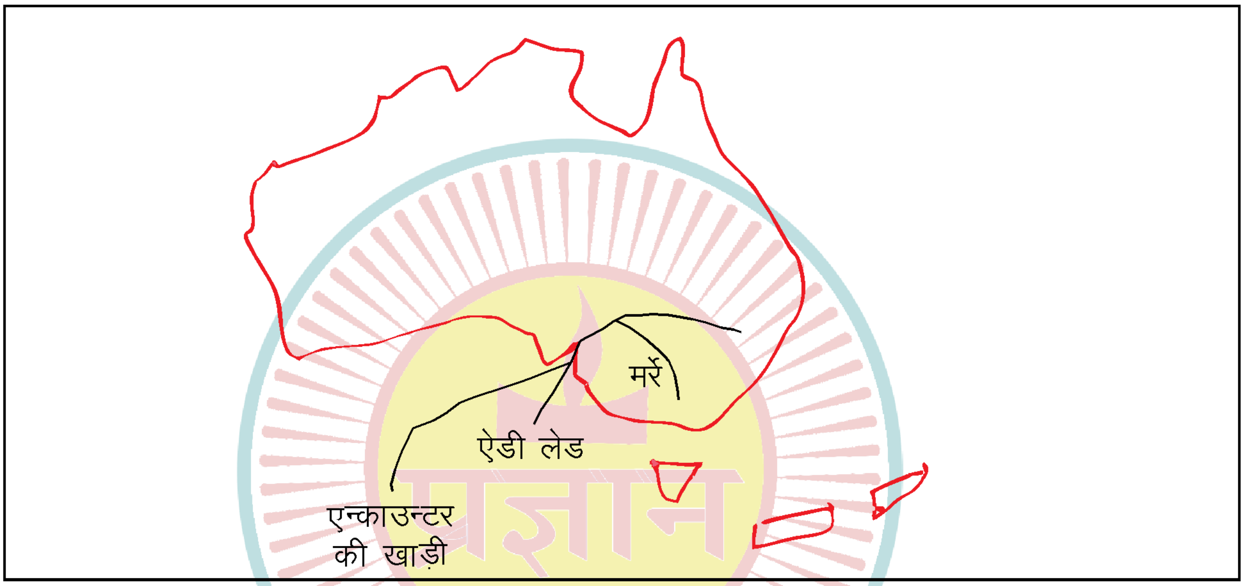

- मर्रे–डार्लिंग के बेसिन में 'डाउंस' शीतोष्ण घास के मैदान पाये जाते है। नदी बेसिन में भेड़ पालन कार्य किया जाता है (मेरिनो)। भेड़ पालन कार्य करने वालों को 'जेकारू' कहा जाता है।

❖ यांग्त्सीक्यांग नदी :

- **लम्बाई** – 6300 किमी
- **इसका उद्‌गम** तिब्बत के पठार पर सीकांग पहाड़ी से
- यह एशिया की सबसे लम्बी व विश्व की तीसरी सबसे लम्बी नदी है।
- यह रेड बेसिन में प्रवाहित होती है।
- **शहर** – शंघाई, वुहान इसके किनारे स्थित है।
- इस नदी पर 'थ्री गार्जेज बांध' स्थित है।
- यह पूर्वी चीन सागर में गिरती है। जो चीन का प्रमुख कृषि क्षेत्र है।
- नदी बेसिन में पेट्रोलियम व लौह अयस्क के भण्डार मिलते है।

❖ येलो रिवर (हांग्हो) :

- इस नदी की कुल लम्बाई 5464 किमी है। यह कुनलुन पर्वत से निकलकर पो–हाई की खाड़ी (पीला सागर) में गिरती है। अधिक अवसादो के कारण मार्ग परिवर्तन के कारण यह चीन का शोक कहलाती है। मरूस्थल की पीली मृदा के अवसादों के ढोने के कारण पीली नदी कहलाती है।
- सहायक नदी – ब्लैक नदी, डाकिया, ताओ

❖ मेकांग नदी :

- इस नदी कुल लम्बाई 4160 किमी है। यह दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे लम्बी व प्रमुख नदी है।
- यह तिब्बत के तांगकूला श्रेणी पठार से निकलकर दक्षिण चीन सागर में गिर जाती है।
- चीन, थाईलैण्ड, लाओस, कंबाडिया, वियतनाम आदि देशो में इसका प्रवाह क्षेत्र है।
- यह म्यांमार – लाओसस तथा लाओस – थाइलैण्ड के मध्य सीमा बनाती है।
- इसके किनारे पर नोमपेन्ह – कंबोडिया की राजधानी स्थित है।

❖ सिक्यांग नदी :

- यह पूर्वी युन्नान में स्थित तिब्बत के पठार से निकलकर दक्षिण चीन सागर में गिरती है।
- यह दक्षिणी चीन की मुख्य नदी है। इसके किनारे पर हांगकांग, ग्वांगझाऊ शहर स्थित है।
- इसके डेल्टाई क्षेत्र में 'रेशम' का उत्पादन किया जाता है।

❖ इरावदी नदी :

- इस नदी की कुल लम्बाई 2170 किमी है। इरावदी की उत्पत्ति माली और नामी नदियों के संगम से होती है। यह म्यांमार में बहकर अंडमान सागर में गिर जाती है।
- यह म्यांमार की गंगा है। यंगून व मांडले इसके किनारे पर स्थित है। चिंदविन इसकी प्रमुख सहायक नदी है। नदी बेसिन में चावल की खेती की जाती है।

❖ सालवीन नदी :

- इस नदी की कुल लम्बाई 2090 किमी है। चीन, म्यांमार, थाइलैण्ड।
- यह तिब्बत के पठार से निकलकर मर्तबान की खाड़ी में गिर जाती है।
- यह म्यांमार व थाइलैण्ड के मध्य सीमा बनाती है। यह शान के पठार पर बहती है।

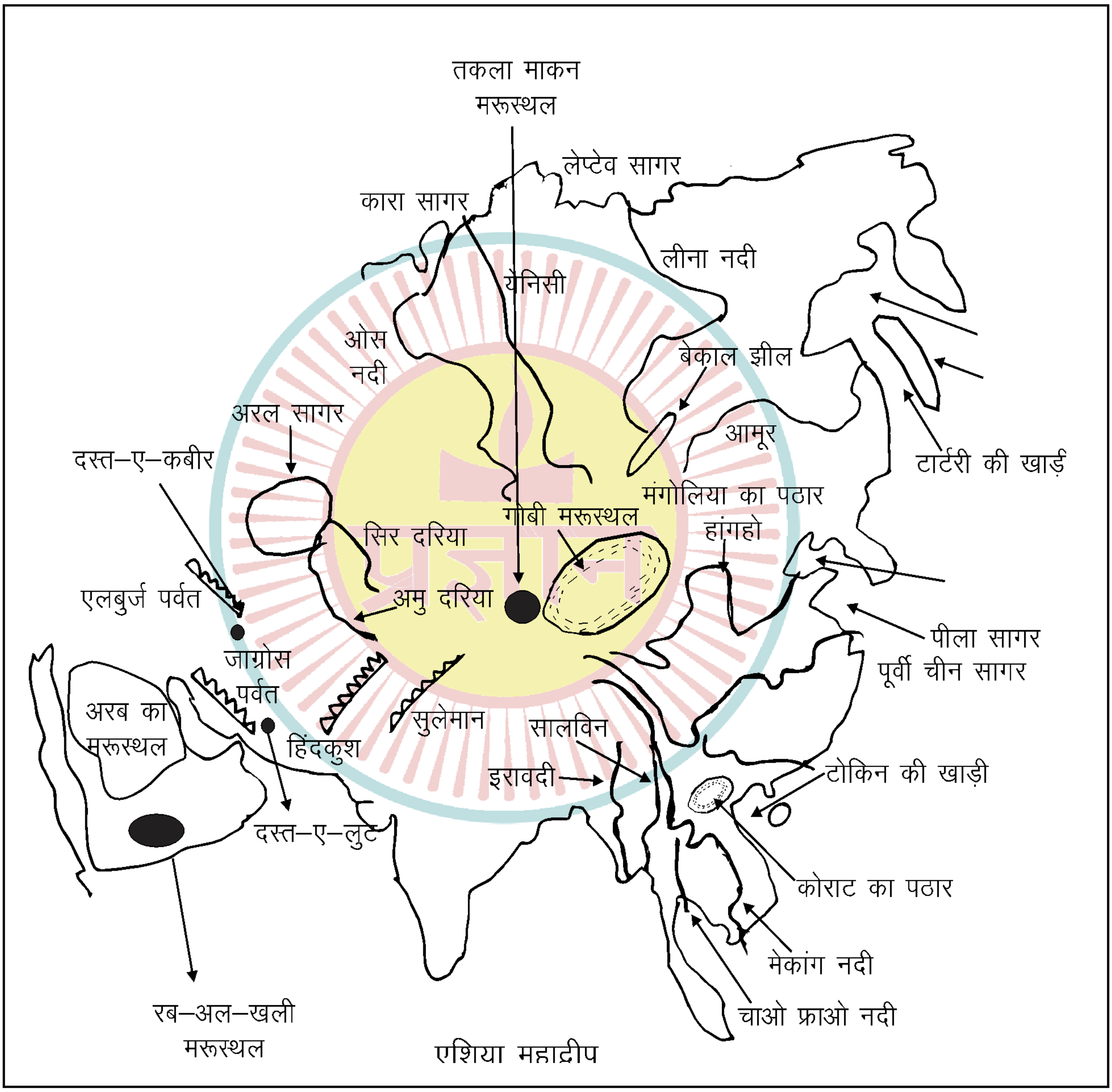

❖ चाओ–फ्राया :

- इस नदी के किनारे थाइलैण्ड की राजधानी बैंकाक स्थित है।

❖ आमू दरिया :

- पामीर के पठार (अफगानिस्तान) से निकलकर अरल सागर में गिर जाती है।

❖ सर दरिया :

- यह तिएनशान पर्वत से निकलकर अरब सागर में गिर जाती है।

❖ दजला नदी/टिगरिस :

- इस नदी की कुल लम्बाई 1850 किमी है।
- **उद्गम** – तुर्की में टोरस पर्वत से निकलकर तुर्की, सीरिया, ईराक, ईरान में प्रवाहित होती है।
- **शहर** – इराक – अल बसरा (यही फरात आकर मिलती है), मोसूल, बगदाद शहर इस नदी के किनारे स्थित है।
- **मुहाना** – फारस की खाड़ी
- इसका बेसिन खजूर उत्पादन के लिए जाना जाता है।

❖ फरात/यूफ्रेट्स :

- यह तुर्की के टोरस पर्वत से निकलकर बसरा में दजला में मिल जाती है।
- यह पश्चिम एशिया की सबसे लम्बी नदी है।(2800 किमी)

❖ मिसिसिपी :

- यह USA के मिनिसोटा राज्य की इटास्का झील से निकलती है।
- **मुहाना** – मेक्सिको को खाड़ी
- यह उत्तर अमेरिका की सबसे लम्बी नदी है।
- इसका अपवाह क्षेत्र भी सर्वाधिक है।
- इसके मुहाने पर न्यू ऑर्लियंस बन्दरगाह स्थित है।
- यह पंजाकार डेल्टा बनाती है।
- इसकी प्रमुखः सहायक नदी मिसोरी है जो रॉकी से निकलकर सेंट लुईस नगर के पास मिसीसिपी में मिल जाती है अन्य सहायक नदियाँ अर्कन्सास व रेड टैनिसी, औहायो आदि है।

प्रशान

❖ सैंट लॉरेस :

- यह ओंटारियो झील से निकलकर सेंट लारेंस की खाड़ी में गिर जाती है।
- यह उत्तरी अमेरिका का सबसे व्यस्तम जलमार्ग है।
- यह ओटेरियो व सेंट लॉरेस की खाड़ी तक दोनों देशों की सीमा निर्धारित करती है।
- ईरी व ओंटेरियो झील के बीच नियाग्रा नदी के नाम से जानी जाती है। नियाग्रा इसी नदी पर स्थित है।
- **शहर**–ओटावा, क्यूबेक तथा मॉण्ट्रियल इस नदी के किनारे स्थित है।
- यह विश्व का सबसे बड़ा ज्वारनदमुख बनाती है।

❖ कोलोराडो नदी :

- यह रॉकी पर्वत पर स्थित लापरोसे झील से निकलकर कैलिफोर्निया की खाड़ी में गिर जाती है।
- इस नदी की कुल लम्बाई 2334 किमी है।
- **बांध** – हूवर बांध, पार्कर बांध
- इस नदी द्वारा बनी ग्रैंड कैन्यन घाटी है।
- नदी क्षेत्र में – मीड़ झील स्थित है। (हुबर बांध के पीछे)

❖ कोलम्बिया :

- यह रॉकी पर्वत पर स्थित कोलंबिया झील से निकलकर उत्तरी प्रशांत महासागर में गिरती है। (USA के पोर्टलैण्ड नगर के पास)
- प्रशान्त महासागर में गिरने वाली सबसे बड़ी नदी है। यह नदी कोलंबिया के पठार पर बहती है।
- **बांध** – ग्रांड कुली, बोन विले
- **सहायक** – स्नेक – रॉकी पर्वत (यलोस्टोन N.P.) से निकलती है और इस पर इडाको जल प्रपात स्थित है।
- **शहर** – पोर्टलैण्ड

❖ रियो ग्रांडे :

- यह रॉकी पर्वत पर स्थित कैबी पर्वत से निकलकर मेक्सिको की खाड़ी में गिर जाती है। (सेंडी डेल्टा)
- इसकी मुख्य सहायक पेकोस है।
- यह अमेरिका और मैक्सिको की प्राकृतिक सीमा का निर्धारण करती है।

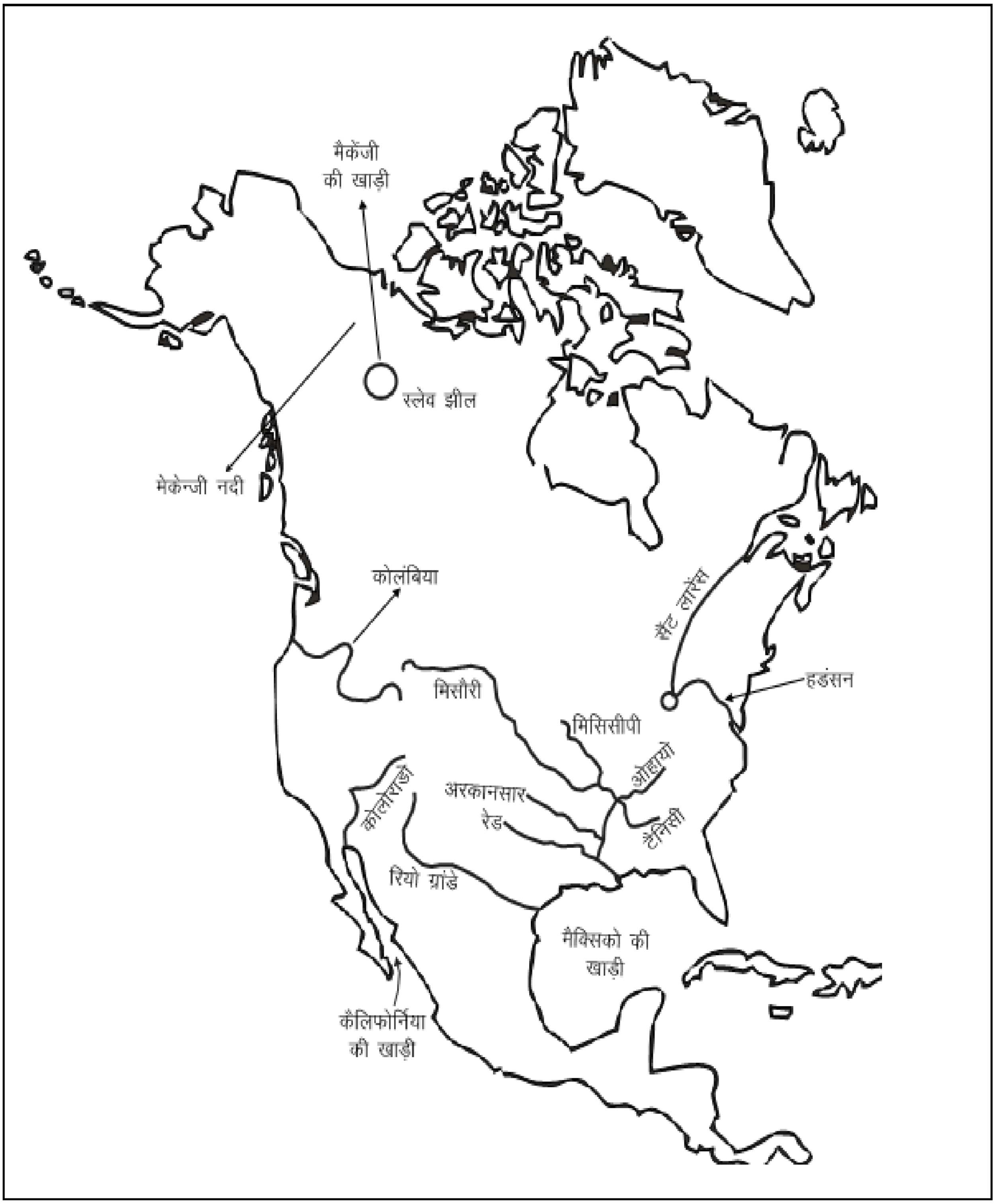

❖ **हड़सन नदी :**

- यह हैड्सन झील से निकलकर अटलांटिक महासागर में गिरती है।
- नदी के किनारे पर न्यूयार्क शहर में स्थित है। यह न्यूयार्क और न्यू जर्सी प्रांत की सीमा बनाती है।
- यह अत्याधिक प्रदुषित नदी है। यह इरी नहर के माध्यम से ईरी झील से जोड़ दिया गया है। यह नोवहन के लिए महत्त्वपूर्ण है।

❖ **पोटोमैक नदी :**

- यह अप्लेशियन पर्वत से निकलकर चेसापीक की खाड़ी में गिर जाती है।
- वांशिगटन डी.सी. इसी के किनारे स्थित है।

❖ **टैनेसी नदी :**

- **उद्गम** – अप्लेशियन पर्वत से
- इस नदी पर टैनेसी नदी घाटी परियोजना चलाई गई। जो विश्व की पहली बहुद्देशीय नदी घाटी परियोजना थी, अन्त में यह मिसीसिपी की सहायक नदी ओहियो में मिल जाती है।

❖ **मैंकेजी नदी :**

- यह कनाड़ा की ग्रेट स्लेव झील से निकलकर ब्यूफार्ट सागर (आर्कटिक महासागर) में गिर जाती है।
- यह कनाड़ा की सबसे लम्बी एवं प्रमुख नदी है, नदी बेसिन पेट्रोलियम भण्डारों के लिए जाने जाते है।

❖ **यूकान नदी :**

- यह ब्रिटिश कोलंबिय में स्थित मेंकेजी पर्वत से निकलकर बेरिंग सागर में गिर जाती है।
- यह USA के अलास्का राज्य की मुख्य नदी है, नदी बेसिन में सोने के प्लेसर निक्षेप मिलते है।

❖ **फ्रेजर नदी :**

- यह रॉकी पर्वत से निकलकर प्रशान्त महासागर में गिर जाती है।
- वैंकुवर (कनाड़ा) बन्दरगाह इसी के किनारे पर स्थित है।
- वैंकुवर लकड़ी उत्पाद के लिए प्रसिद्ध है।

❖ सैंकामेन्टा :

- कैस्केड – सिपरा नेवादा श्रेणी से निकलकर प्रशान्त महासागर में गिर जाती है।
- इस नदी पर केविक बांध स्थित है।

❖ टेगस नदी :

- स्पेन के मध्यवर्ती भाग से निकलकर अटलांटिक महासागर में गिरती है। पुर्तगाल की मुख्य नदी है और लिस्बन इसके किनारे पर स्थित है।

❖ वोल्गा नदी :

- इसकी कुल लम्बाई 3553 किमी है।
- वोल्गा का उद्गम यूराल पर्वत पर स्थित बल्दाई पहाड़ी से और इसका मुहाना कैस्पियन सागर है। यह यूरोप की सबसे बड़ी नदी है, जो नौवहन योग्य है।
- यह नदी तीन महीनों के लिए जम जाती है; स्लेज द्वारा माल की ढुलाई की जाती है।
- बांध – कुर्याविशेष, वोल्वोग्राद । सहायक नदियाँ– अका, कामा, सुखोना है। नदी बेसिन पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस भण्डारों के लिए जाना जाता है।

❖ विस्तुला :

- यह कार्पेथियन पर्वत से निकलकर डेन्जिंग की खाड़ी (बाल्टिक सागर) में गिर जाती है।
- यह पोलेण्ड की सबसे लम्बी नदी है। 'वॉरसा' इसी के तट पर स्थित है।

❖ डेन्यूब :

- यह ब्लैक फॉरेस्ट (जर्मनी) से निकलकर काला सागर में गिर जाती है।
- वोल्गा के बाद यूरोप की दुसरी सबसे बड़ी नदी है। (2872 किमी)
- यह नौवहन योग्य है, इसलिए नहर के माध्यम से नदी को राइन– रोन तंत्र से जोड़ा गया है।
- यह 10 देशों से गुजरती है। {माल्दोवा, जर्मनी, आस्ट्रिया (वियना), रोमानिया, बुलगारिया (बुखारेस्ट), स्लोवाकिया (ब्राटिस्लावा), हंगरी (बुडापेस्ट), यूक्रेन, क्रोएशिया, सर्बिया (बेलग्रेड)}
- यह हंगरी–स्लोवाकिया, क्रोएशिया–सर्बिया, रोमानिया–बुल्गारिया के मध्य सीमा बनाती है।
- रोमानिया–सबिया की सीमा पर लौह द्वार से गुजरती है।

❖ रोन नदी :

- यह जेनेवा (स्विस) झील से निकलकर लोयन की खाड़ी (भूमध्य सागर) में गिरती है।
- इस नदी के किनारे लियोन(फ्रांस का सिल्क), मार्सिले (फ्रांस) शहर स्थित है।
- सोन इसकी मुख्य सहायक नदी है।

❖ पो नदी :

- यह आल्पस से निकलकर वेनिस की खाड़ी (एड्रियाटिक सागर) में गिरती है।
- यह इटली की सबसे लम्बी नदी है।
- यह इटली की गंगा कहलाती है।
- झील – मैगिनोट झील
- यह लोम्बार्डी (यह यूरोप का सर्वाधिक चावल उत्पादक क्षेत्र है) के मैदान में प्रवाहित होती है। इसलिए यहाँ जनसंख्या घनत्व अधिक पाया जाता है।
- नदी के किनारे पर इटली के प्रमुख शहरमिलान (इटली का मेनचेस्टर), तूरीन (इटली का ड्रेटायट) स्थित है।

❖ राहन नदी :

- इस नदी की कुल लम्बाई 1230 किमी है।
- आल्पस पर्वत पर कान्स्टैंस झील से निकलकर रॉटरडम (नीदरलैण्ड) के पास उत्तरी सागर में गिर जाती है।
- यह यूरोप का सबसे व्यस्तम अंतःस्थलीय जलमार्ग है।
- शहर – बॉन, बेसल, रॉटरडम
- यह ब्लैक फॉरेस्ट व वॉस्जेस की भ्रंश घाटी में बहती है। भ्रंश घाटी में बहने वाली सबसे लम्बी नदी है। यह स्विटजरलैण्ड–जर्मनी व जर्मनी–फ्रांस के मध्य सीमा बनाती है। राइन नदी के डेल्टा में रोटरडम बन्दरगाह (नीदरलैण्ड) स्थित है।
- रूर इसकी सहायक नदी है, जिसकी घाटी में कोयले के भण्डार मिलते है।

❖ टेम्स नदी :

- यह उत्तरी सागर में गिरती है। इसके किनारे पर लंदन व ऑक्सफोर्ड शहर स्थित है।

❖ डॉन नदी :

- यह रूस के टुला (रक्षा सामग्री–लौह इस्पात, इलेक्ट्रॉनिक्स) नामक स्थान से निकलकर अजोव सागर में गिर जाती है।
- **शहर** – रोस्टोव (रूस) । डॉन – वोल्गा को नहरी माध्यम से जोड़ दिया।

❖ नीपर :

- रूस के बल्दाई हिल्स से निकलकर काला सागर में गिरती है।
- यूक्रेन की मुख्य नदी है। यूक्रेन की राजधानी कीव इसी नदी के किनारे स्थित है।

❖ नीस्टर :

- कार्पेथियन श्रेणी से निकलकर काला सागर में गिरती है। यह यूक्रेन व माल्डोवा के मध्य सीमा बनाती है।

❖ सीन नदी :

- यह फ्रांस के मेसिफ के पठार से निकलकर इंग्लिस चैनल में गिरती है।
- पेरिस इसी नदी के किनारे स्थित है। मुहाने पर ली–हार्वे (फ्रांस) स्थित है।

❖ यूराल नदी :

- यह यूराल पर्वत से निकलकर कैस्पियन सागर में गिरती है।
- नदी के प्रवाह क्षेत्र रूस व कजाकिस्तान में है। यह नदी पक्षी आकार का डेल्टा बनाती है।
- नदी बेसिन जीवाश्म ईंधन भण्डारो के लिए प्रसिद्ध है।

❖ टाइबर नदी :

- टाइबर नदी का उद्गम एपिनाइन पर्वत के माउंट फुमेलाओ से होता है। और भूमध्य सागर में गिरती है।
- इसके किनारे पर रोम और वेटिकन सिटी स्थित है।

❖ **डोनेटस – डॉन नदी :**

- रूस की उच्च भूमि से निकलकर एजोव सागर में गिर जाती है। नदी बेसिन में कोयले के भण्डार पाए जाते है। नदी को नहर के माध्यम से वोल्गा नदी से जोड़ दिया है।

❖ **लोयर नदी :**

- यह फ्रांस की सबसे लम्बी नदी है, जो मेसिफ के पठार से निकलकर बिस्के की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) में गिरती है।
- नदी के किनारे आर्लियंस, नान्टेस (कागज उद्योग) शहर स्थित है।

❖ **एल्बे :**

- यह उत्तरी सागर में गिरती है। इसके किनारे पर हैंबर्ग शहर (जर्मनी) है।
- तट पर ड्रेसडेन शहर – चीनी मिट्टी के सामानों के लिए प्रसिद्ध है।

❖ **स्प्री नदी :**

- एल्बे की सहायक नदी है। बर्लिन इसके तट पर स्थित है।

❖ **हेलमंड नदी :**

- अफगानिस्तान में स्थित हिन्दुकुश पर्वत से निकलकर ईरान–अफगान सीमा पर स्थित हामून पू झील में गिरती है।
- यह अफगानिस्तान की प्रमुख व सबसे लम्बी नदी है। नदी का बेसिन अफीम की खेती के लिए प्रसिद्ध है।
- नदी बेसिन में स्वर्णिम अर्द्ध चन्द्रमा स्थित है। यह नशीले पदार्थो की तस्करी के लिए प्रसिद्ध है।

❖ **महावेली गंगा :**

- यह श्रीलंका की सबसे लम्बी व मुख्य नदी है जिसका उद्गम कैंडी जिले के हॉर्टोन प्लेन नेशनल पार्क से होता है यहाँ से निकलकर ट्रिंकोमाली की खाड़ी (बंगाल की खाड़ी) में गिर जाती है।

❖ **सूरमा नदी :**

- पूर्वांचल की पहाड़ियों से निकलकर मणिपुर–असम से बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- भारत में यह नदी बराक नदी के नाम से प्रसिद्ध है। लेकिन बांग्लादेश में मेघना हो जाती है।
- बराक नदी पर मणिपुर में तिपाईमुख परियोजना का विकास किया जा रहा है।

विश्व की प्रमुख झीलें

प्रमुख झीलें		
क्र.सं.	झील	लम्बाई
1.	कैस्पियन सागर	3,71,000 किमी^{2}
2.	सुपीरियर	31,700 किमी^{2}
3.	विक्टोरिया	26,590 किमी^{2}
4.	हारून	23,000 किमी^{2}
5.	मिशिगन	22,000 किमी^{2}
6.	टांगानिका	12,600 किमी^{2}
7.	बेकाल	12,200 किमी^{2}
8.	ग्रेट बीयर झील	12,000 किमी^{2}
9.	मलावी	11,400 किमी^{2}
10.	ग्रेट स्लेव झील	10,000 किमी^{2}
11.	दूरी	99,00 किमी^{2}
12.	विनिपेग	9465 किमी^{2}
13.	ओंटारिया	7320 किमी^{2}
14.	लेडोगा	7,000 किमी^{2}
15.	बालकश	6300 किमी^{2}
16.	वोस्टक	48,000 किमी^{2}
17.	ओनेगा	3,700 किमी^{2}
18.	टीटीकाका	3,232 किमी^{2}
19.	निकारागुआ	3,191 किमी^{2}
20.	अथाबास्का	3,030 किमी^{2}
21.	रेडियर	2,440 किमी^{2}
22.	इस्सककुल	2,400 किमी^{2}

❖ कैस्पियन सागर झील :

- एशिया–यूरोप के मध्य विश्व की सबसे बड़ी झील (371000 वर्ग किमी) स्थित है। यह लवणीय झील है, जिसकी गहराई 184 मीटर है।
- वोल्गा व यूराल नदियँ अपना जल इसमें डालती है।
- अजरबैजान, ईरान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान रूस की सीमा से ये झील लगती है।
- अजर बैजान की राजधानी 'बाकू' इसी के किनारे पर स्थित है।
- झील के मध्य बहुत सारे द्वीप स्थित है। ऑगुर्जा आडा सबसे बड़ा द्वीप है।

❖ बाल्कश झील :

- यह झील कजाकिस्तान में स्थित है।
- झील का पानी खारा व मीठा दोनो प्रकार का है।
- झील में 7 नदियाँ पानी डालती है, इनमें ईली नदी प्रमुख है।
- ये खारे पानी की झील है।

❖ बैकाल झील :

- यह विश्व की सबसे गहरी (1741 मीटर) झील है। यह मीठे पानी की झील है जो भ्रंश घाटी में स्थित है। यहाँ से लीना व अंगारा नदियों की उत्पत्ति होती है।
- विश्व की तीसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील (आयतन में सबसे बड़ी) है तथा दूसरी सबसे लम्बी झील है (636 किमी)
- यह युनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल है।

❖ बिवा झील :

- होंश द्वीप पर स्थित, जापान की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

❖ पैंगोंग झील :

- भारत –चीन के मध्य लद्दाख में स्थित है। LAC इस झील से गुजरती है।
- रामसर स्थल की मान्यता।

❖ **अरल सागर :**

- कजाकिस्तान व उज्बेकिस्तान की सीमा के मध्य स्थित है।
- यह खारे पानी की झील है।
- सिर दरिया व आयु दरिया इसमें पानी डालते है।
- झील का क्षेत्रफल लगातार सिकुड़ता जा रहा है।

❖ **टोनले सूप :**

- यह कंबोडिया में स्थित है।
- दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे महत्वपूर्ण झील है।
- झील से टोन्ले सैप नदी निकलती है, जो मेकांग नदी में मिलती है।

❖ **वान झील, तुर्की :**

- विश्व की सर्वाधिक खाने पानी की झील है जो तुर्की में स्थित है।

❖ **लोपनूर झील :**

- चीन के तारिम बेसिन में स्थित।
- खारे पानी की झील।
- चीन का परमाणु परीक्षण केन्द्र।

❖ **टोबा झील :**

- यह इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित है। मीठे पानी की विश्व की सबसे बड़ी काल्ड़ेरा झील है।

❖ **ओंटारियो झील :**

- ओंटारियो झील से 'सेंट लॉरेस' नदी की उत्पत्ति होती है।
- कनाड़ा के टोरंटो, हैमिल्टन व किंगसटन शहर इसके तट पर ही स्थित है।
- किंगसटन शहर – रेल इंजन व लोकोमोटिव उद्योग के लिए प्रसिद्ध है इस झील के किनारे है।

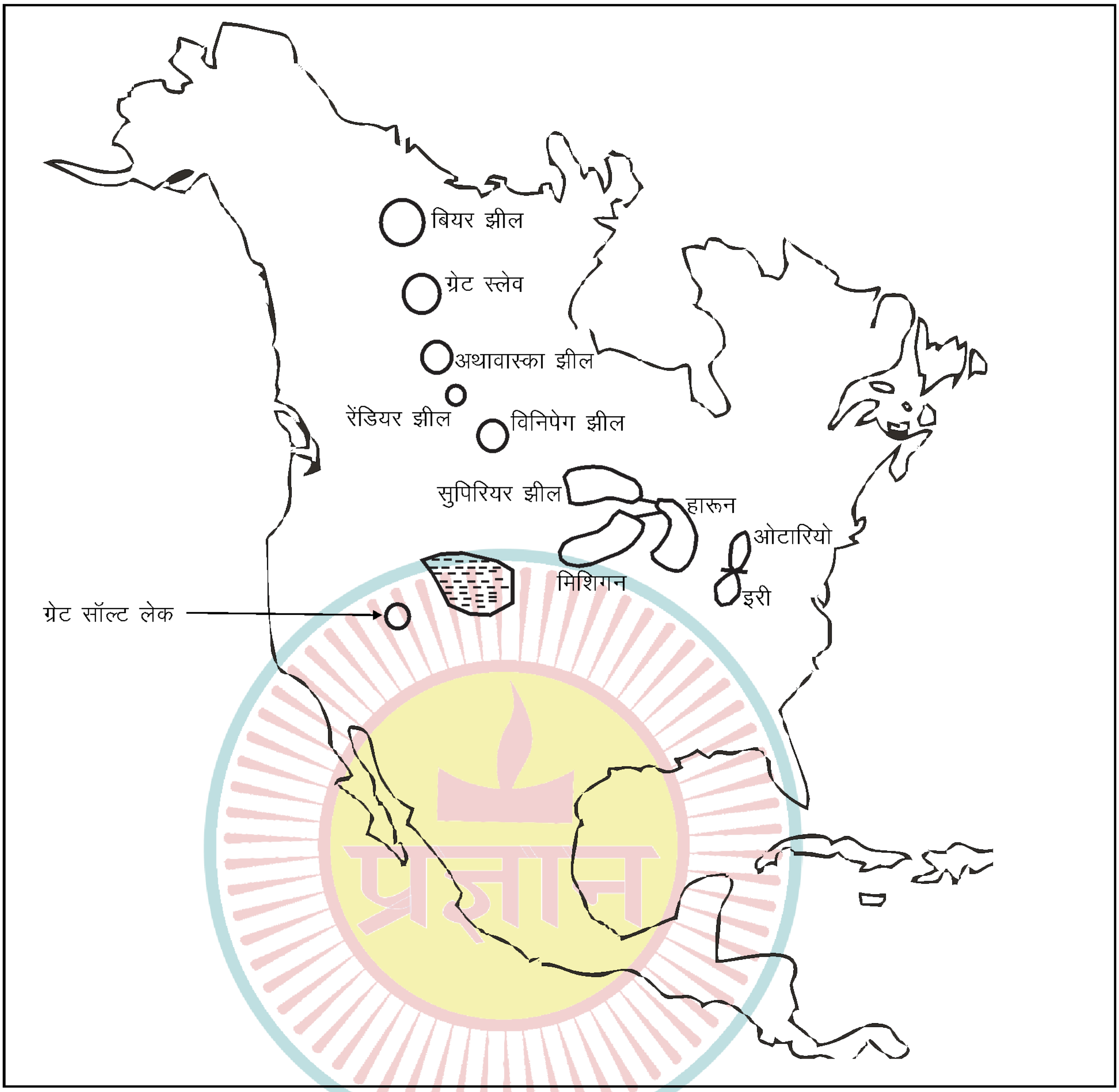

❖ **ग्रेट बियर झील**

- कनाड़ा में स्थित हिमानी निर्मित झील है, पूर्ण रूप से कनाड़ा की मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है।
- आर्कटिक वृत्त गुजरता है। निकट ही पोर्ट रेडियम स्थित है।

❖ **ग्रेट स्लेव झील :**

- यह कनाड़ा में स्थित हिमानी निर्मित मीठे पानी की झील है।
- इससे 'मैकेंजी' नदी की उत्पत्ति होती है। यह उत्तरी अमेरिका की सबसे गहरी झील है।
- कनाड़ा की उत्तरी–पश्चिमी राजधानी 'यलो नाइफ' स्थित है।

❖ अथाबास्का झील :

- यह कनाड़ा में स्थित हिमानी निर्मित, मीठे पानी की झील है।
- इस झील के किनारे यूरेनियम सिटी स्थित है।

❖ रेडियर झील :

- यह झील कनाड़ा में स्थित है।
- झील से चर्चिल नदी का उद्‌गम होता है। जो हडसन की खाड़ी में गिरती है।

❖ विनिपेंग झील :

- यह झील कनाड़ा में स्थित है।

❖ ग्रेट सॉल्ट लेक :

- यह झील अमेरिका के उटाह प्रांत में ग्रेट बेसिन के पठार पर स्थित खारे पानी की झील है। झील में जॉर्डन बीयर व बिवर नदियाँ आकर गिरती है।
- यह खारे पानी की झील है।
- झील के किनारे उटाह राज्य की राजधानी ग्रेट सॉल्ट लेक स्थित है।

❖ टिटिकाका झील :

- पेरू व बोलविया के मध्य बोलविया के पठार पर स्थित मीठे पानी की झील है।
- बोलविया की राजधानी ला–पॉज इसके ही तट पर स्थित है।
- यह विश्व की सबसे ऊँची नौगम्य झील है।

❖ माराकैबो झील :

- वेनेजुएला में स्थित यह झील दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील है। यह पेट्रोलियम/खनिज तेल उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- समुद्री तटीय क्षेत्र से जुड़ी होने के कारण यह ज्वारीय झील है। यह केरेबियन सागर से तबलेजो जलसंधि से जुड़ी है। यह पेट्रोलियम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

❖ पोपो झील :

- यह झील बोलीविया में स्थित है। यह लवणीय झील है।

❖ **मिशिगन झील :**

- यह झील अमेरिका में स्थित है।
- इसके किनारे गैरी, शिकागो शहर स्थित है।
- गैरी, शिकागो औद्योगिक प्रदेश में लौह–इस्पात उद्योग का विकास अधिक हुआ जिसका मुख्य कारण सुपीरियर उच्च भूमि के लौह व पेंसिलवेनिया के कोयला क्षेत्रो के मध्य स्थित होना है।

❖ **ईरी झील :**

- 'वेल्डैड नहर' ईरी को ओंटारियो झील से जोड़ती है। ईरी व ओंटारियो के मध्य ही नियाग्रा जल प्रपात स्थित है। झील के किनारे ड्रेटॉयट (मोटर–वाहन का निर्माण), बफेलो तथा ओरेगन शहर स्थित है।

❖ **सुपीरियर झील :**

- विश्व की मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है। यही सुपीरियर उच्च भूमि में USA का प्रमुख लौह क्षेत्र मेसाबी रेंज स्थित है। झील के किनारे पर 'डुलुथ' शहर स्थित है जो लौह इस्पात के उत्पादन के लिए जाना जाता है। सुपीरियर और हूरॉन झील को 'सू नहर' के माध्यम से जोड़ा गया है।
- कनाड़ा का महत्वपूर्ण बन्दरगाह 'सॉल्ट सेंट मेरी' 'सू नहर' के किनारे ही स्थित है।

❖ **हूरॉन झील : संयुक्त राज्य अमेरिका :**

- झील के किनारे 'सउबरी' स्थित है, जो निकेल के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- सउबरी में तांबा व प्लेटिनम के भण्डार भी पाये जाते है।

❖ **चाड़ झील :**

- चाड़, नाइजर, नाइजीरिया व केमरून के मध्य स्थित झील है जिसमें चरी नदी आकर गिरती है।
- यह मीठे पानी की झील है, लेकिन वर्तमान में पानी की कमी के कारण सिकुड रही है। यह झील रामसर स्थल भी है।

❖ **मलावी/न्यासा झील :**

- तंजानिया, मोजाम्बिक, मलावी देशों के मध्य स्थित, अफ्रीका महाद्वीप की दूसरी गहरी झील।
- यह मीठे पानी की झील है, जिसे रामसर साइट्स घोषित किया हुआ है, यह भी महान भ्रंश घाटी का भाग है।

❖ एल्बर्ट झील :

- यह झील अफ्रीका की महान भ्रंश घाटी में केन्या युगाण्डा के मध्य स्थित है।

❖ विक्टोरिया झील :

- केन्या, युगांडा तथा तंजानिया देशों की सीमा पर स्थित अफ्रीका की सबसे बड़ी तथा विश्व की दुसरी सबसे बड़ी झील है।
- विषुवत रेखा झील से गुजरती है। जहाँ कगेरा नदी इसमें आकर गिरती है। वहीं स्वेत नील नदी का उद्गम इससे होता है। झील में मबोको द्वीप (केन्या), सीसी द्वीप (युगांडा) स्थित है।

❖ टांगानिका झील :

- महान भ्रंश घाटी में स्थित, अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी व विश्व की दूसरी सबसे गहरी मीठे पानी की झील है।
- यह विश्व की सबसे लम्बी झील (673 किमी) है।, जिसका विस्तार जायरे, तंजानिया, जांबिया, बुरूंडी में है। झील में रूजीजी कलाम्बो तथा माला गरासी नदियाँ पानी डालती है।

❖ आयर झील :

- आस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी लवणीय झील है। आस्ट्रेलिया का निम्नतम बिन्दु (समुद्र तल से 15 मीटर नीचे) इसमें पाया जाता है। झील में अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का उदाहरण मिलता है।

❖ कौन्सटेन्स झील :

- यह हिमानी निर्मित झील, जर्मनी आस्ट्रियॉ व स्विट्जरलैण्ड के मध्य स्थित है।
- राइन नदी अपना पानी इस झील में डालती है। झील के मध्य में रिचेनाऊ द्वीप स्थित है।

❖ ओनेगा झील :

- यूरोप महाद्वीप की दुसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है। यह रूस में स्थित है।
- बाल्टिक सागर से जलमार्ग ओनेगा, लाडोगा झील को स्वीर नदी के माध्यम से स्वेत सागर से निकाला गया है। स्वीर नदी के अलावा वोदला व सूना नदियाँ भी अपना पानी इसमें डालती है।
- किझी द्वीप झील के मध्य में स्थित है।

❖ लाडोगा झील :

- यूरोप महाद्वीप की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है यह रूस में स्थित है।
- नोवा नदी, स्वीर नदी झील में गिरती है।
- बाल्टिक सागर को लाडोगा व ओनेगा झील के माध्यम से ही स्वेत सागर से जोड़ा गया है।

❖ जेनेवा झील :

- फ्रांस व स्विट्जरलैण्ड की सीमा पर रोन नदी द्वारा निर्मित मीठे पानी की झील, जिसके किनारे जेनेवा शहर स्थित है।

❖ वैनर्न :

- स्वीडन में स्थित मीठे पानी की यूरोप की तीसरी सबसे बड़ी झील है जिसमें ब्रोमा व हमेरो द्वीप स्थित है।

❖ वेटर्न झील :

- मीठे पानी की झील, स्वीडन में स्थित है, झील के मध्य में विसिंगो द्वीप स्थित है।

❖ किंधाई झील :

- चीन की सबसे बड़ी व खारे पानी की झील है।
- झील में अंतः स्थलीय अपवाह तंत्र पाया जाता है।
- यह झील मछलियों व प्रवासी पक्षियों के लिए प्रसिद्ध है।

❖ इस्सिक कुल झील :

- यह किर्गिस्तान में स्थित है, विश्व की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।

❖ उव्स नूर झील :

- यह मंगोलिया में स्थित लवणीय झील है।
- झील को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

❖ दरया-ए-उर्मिया :

- ईरान में स्थित लवणीय झील है।

❖ मृत सागर :

- यह झील इज़्राइल तथा जॉर्डन की सीमा पर स्थित है।
- झील में अधिक लवणीयता पाये जाने के कारण जीवन का अस्तित्व नहीं है।
- झील का घनत्व अधिक है और यह भ्रंश घाटी में स्थित है।
- यह झील विश्व का निम्नतम बिन्दु है।

***

प्रज्ञान